सुन ले विनती मेरी शारदे माँ मेरा सोया मुकदर जगा दे

सुन ले विनती मेरी शारदे माँ मेरा सोया मुकदर जगा दे
देदे दर्शन तू महियर बुला कर आस मुदत की मेरी पूरा दे
सुन ले विनती मेरी शारदे माँ मेरा सोया मुकदर जगा दे

तुम तो उज्ड़ो को आबाद करती हो माँ
मांग ने वालो की झोली भरती हो माँ
ज्ञान भुधि का वरदान देती हो माँ
बाँझ को पुत्र का दान देती हो माँ
अपनी भगती का धन आज दे कर मुझको धनवान मैया बना ले
सुन ले विनती मेरी शारदे माँ मेरा सोया मुकदर जगा दे

जो भी आता है महियर सवर जाता है
उनसे वरदान पा कर निखर जाता है
जग में सब से निराला ये दरबार है
रोज होता है याहा पर चमत्कार है
आला जैसे ही ये शारदा माँ फूल भगती का दिल में खिला दे
सुन ले विनती मेरी शारदे माँ मेरा सोया मुकदर जगा दे

आरती मिशरा पे माँ तू ये एहसान कर
आप सच कर सभी पुरे अरमान कर
गाये गीत मुझे जग में इज़्ज़त माँ
मांगती हु मुझे खूब शोरत दे माँ
आरजू है मेरी भी ये मैया तू जगह सब के दिल में बना दे
सुन ले विनती मेरी शारदे माँ मेरा सोया मुकदर जगा दे

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18982/title/sun-le-vinti-meri-shaarde-maa-mera-soya-mukadar-jga-de

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |